राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3822

28 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात कंपनियों का विकास करने और विविधता उत्पन्न करने के लिए योजनाएं

3822. डा॰ वी॰ मैत्रेयनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की इस्पात कंपनियों का विकास करने और विविधता उत्पन्न करने तथा इस क्षेत्र में निजी कंपनियों को प्रोत्साहित करने की कोई योजनाएं हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या घरेलू इस्पात उद्योग लौह अयस्क और प्रसंस्कृत इस्पात की भारी कमी का सामना कर रहा है;

(घ) यदि हां, तो घरेलू बाजार में उच्च गुणवत्ता के लौह अयस्क और प्रसंस्कृत इस्पात की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ङ) क्या सरकार घरेलू उद्योग के लिए लौह कतरनों के पुनः प्रयोग और पुनः प्रसंस्कृत लौह हेतु कोई विशिष्ट नीति या मानदंड बनाने का विचार रखती है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार का क्या रवैया है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता के रूप में होती है, जो नीति संबंधी दिशा-निर्देश तैयार करती है तथा इस्पात क्षेत्र की कार्य-दक्षता और निष्पादन में सुधार हेतु अनुकूल वातावरण सृजित करने के लिए संस्थागत तंत्र/ढांचे को स्थापित करती है।

(ग): जी नहीं।

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) और (च): राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण स्क्रैप की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा देश में आधुनिक इस्पात श्रेडिंग संयंत्रों को प्रोत्साहन देकर संगठित और पर्यावरण अनुकूल स्टील स्क्रैप प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना को सुगम बनाने का प्रावधान किया गया है।

*****